पूर्व–छात्र संगठन

1. आधारभूत आंकड़े

उपाधि	पूर्व–छात्रों की कुल संख्या	पंजीकृत सदस्य	अपंजीकृत सदस्य	उपलब्ध ई–मेल	डाक पता
स्नातक उपाधि	13990	10677	3313	11718	12020
एमटी (ड्यूल)	977	909	68	915	905
एम.टेक	10704	5085	5619	6736	6357
एमएससी 2	2261	1160	1101	1425	1446
एमबीए	506	467	39	469	462
एमडेस	166	161	5	156	158
पीएच.डी	2887	1323	1564	1924	1842
अन्य	72	5	67	19	37
कुल योग	31563	19787	11776	23362	23227

2. प्रमुख क्रियाकलाप – पुनर्मिलन समारोह

संस्थान के पूर्व–छात्र लम्बे अंतराल के बाद अपने मातृ संस्थान में आते हैं और यहाँ आकर अपने पुराने दिनों की याद ताजा करते हैं। इस अवसर पर संस्थान में बिताये गये दिनों की याद करते हैं तथा संस्थान के हित में अपने–अपने विचार प्रकट करते हैं एवं सुझाव देते हैं। वे आर्थिक एवं बौद्धिक रूप में संस्थान की मदद करने के लिए सदैव तत्पर रहते हैं।

वर्ष 2015 –16 के दौरान निम्नलिखित पुनर्मिलन समारोह का आयोजन किया गया:

1. गोल्डन जुबली पुनर्मिलन समारोह – 1965 बैच – 27 से 29 नवम्बर, 2015
2. सिल्वर जुबली पुनर्मिलन समारोह – 1991 क्लास – 25 से 28 दिसम्बर, 2015
3. 35 वें वर्ष का पुनर्मिलन समारोह – 1981 क्लास – 30 से 31 दिसम्बर, 2015 एवं 1 जनवरी, 2016
4. 40 वें वर्ष का पुनर्मिलन समारोह – 1976 क्लास – 11 से 13 मार्च, 2016

संस्थान के निदेशक द्वारा संस्थान एवं एलम्नाइ एसोसिएशन की ओर से उपर्युक्त सभी पुनर्मिलन समारोह के लिए पूर्व–छात्रों एवं उनके परिवार के सदस्यों को सादर आमंत्रित किया गया था। एलम्नाइ एसोसिएशन कार्यालय ने पुनर्मिलन समारोह के आयोजन से संबंधित सभी आवश्यक तैयारी पूरी की। उक्त अवसरों पर पूर्व–छात्रों ने अपने–अपने विभागों का भ्रमण किया तथा वहाँ के संकाय–सदस्यों, छात्रों एवं स्टाफ से मिले। एलम्नाइ एसोसिएशन के सचिव, संसाधन एवं पूर्व–छात्र संबंध के अधिष्ठाता तथा अनेकानेक संकाय–सदस्यों ने उनका स्वागत किया । इस कड़ी में निदेशक निवास में सम्मान सम्मारोहों का आयोजन किया गया जिसमें प्रो.इन्द्रनील मान्ना, निदेशक ने पूर्व–छात्रों के साथ वार्ता की तथा पूर्व–छात्रों को अपने–अपने विचार रखने के लिए आमंत्रित किया। प्रो.मान्ना ने संस्थान की उत्तरोत्तर प्रगति के लिए पूर्व–छात्रों से फीडबैक भी आमंत्रित किए।

(i) गोल्डन जुबली पुनर्मिलन समारोह – 1965 बैच – 27 से 29 नवम्बर, 2015

एलम्नाइ एसोसिएशन द्वारा दिनांक 27 से 29 नवम्बर, 2015 को 1964 बैच के छात्रों का गोल्डन जुबली पुनर्मिलन समारोह आयोजित किया गया। देश–विदेश के लगभग 54 पूर्व–छात्रों ने अपने परिवार के साथ इस समारोह में भाग लिया। कैम्पस में पहुँचने के पहले पूर्व–छात्रों ने शहर के पुराने रेस्टारेंट में लंच किया। एलम्नाइ एसोसिएशन ने पूर्व–छात्रों के पंजीकरण के लिए अतिथि गृह में रजिस्ट्रेशन डेस्क की व्यवस्था की थी। समारोह के पहले दिन अर्थात् 28 नवम्बर, 2015 को आउटरीच ऑडीटोरियम में परिचय सत्र का आयोजन किया गया। परिचय सत्र में पूर्व–छात्रों ने अपने–अपने कार्यक्षेत्रों के बारे में बताया। इस दौरान प्रो. संदीप संगल ने परिचय भाषण किया। इसके अतिरिक्त संस्थान के निदेशक प्रो. इन्द्रनील मान्ना, प्रो. बी वी फणि तथा बैच समन्वयक श्री विनय मेहता एवं श्री सुरोजित सेन ने भी सभा को संबोधित किया।

(ii) सिल्वर जुबली पुनर्मिलन समारोह – 1991 क्लास – 25 से 28 दिसम्बर, 2015

1991 क्लास ने एक वर्ष पूर्व से ही सिल्वर जुबली पुनर्मिलन समारोह के आयोजन की तैयारी शुरु कर दी थी। इसी तैयारी के आधार पर दिनांक 25 से 28 दिसम्बर, 2015 के दौरान संस्थान कैम्पस में इस समारोह का भव्य एवं सुंदर आयोजन किया गया। देश–विदेश के लगभग 90 पूर्व–छात्रों ने अपने परिवार के साथ (कुल 218 व्यक्ति) इस समारोह में हिस्सा लिया और समारोह की शोभा बढ़ाई। एलम्नाइ एसोसिएशन ने इस समारोह के लिए आवश्यक इंतजाम यथा– संचार, यात्रा सुविधा, ठहरने की सुविधा आदि की व्यवस्था की। बहुत सारे उत्साही पूर्व–छात्र 25 दिसम्बर, 2015 को ही कैम्पस में पहुँच चुके थे। अतिथि गृह में एक नियंत्रण कक्ष सह पंजीकरण डेस्क खोला गया था। दिनांक 26 दिसम्बर, 2015 को इस समारोह के उदघाटन की औपचारिकता पूरी की गई। इस दौरान संस्थान के निदेशक प्रो. इन्द्रनील मान्ना, प्रो. कृपा शंकर, प्रो. बी वी फणि तथा बैच समन्वयक श्री तरुण भार्गव एवं श्री जय रावत उपस्थित रहे।

iii) 35 वें वर्ष का पुनर्मिलन समारोह – 1981 क्लास – 30 से 31 दिसम्बर, 2015 एवं 1 जनवरी, 2016

संस्थान के निदेशक ने संस्थान एवं एलम्नाइ एसोसिएशन की तरफ से 1981 क्लास के पूर्व–छात्रों एवं उनके परिवार के सदस्यों को इस पुनर्मिलन समारोह के लिए आमंत्रित किया था। लगभग 27 पूर्व–छात्रों (कुल 41 व्यक्ति) ने आमंत्रण को स्वीकार किया और विपरित मौसम होने के बावजूद पूरे उत्साह के साथ इस समारोह में उपस्थित हुए। दिनांक 31 दिसम्बर, 2015 को आयोजित उदघाटन कार्यक्रम में प्रो. इन्द्रनील मान्ना, प्रो. बी वी फणि एवं बैच समन्वयक श्री अजित मोटवानी ने सभी आगन्तुकों का हार्दिक स्वागत किया।

(iv) 40 वें वर्ष का पुनर्मिलन समारोह – 1976 क्लास – 11 से 13 मार्च, 2016

1976 बैच के पूर्व–छात्रों ने दिनांक 11 से 13 मार्च, 2016 को आयोजित 40 वें वर्ष का पुनर्मिलन समारोह में गर्मजोशी के साथ भाग लिया। समारोह के औपचारिक उदघाटन के पहले पूर्व–छात्रों ने अपने पुराने मित्रों से मुलाकात की, उन्होंने साइकिल से या पैदल ही कैम्पस का भ्रमण किया, कैम्पस के दृश्यों को कैमरे में कैद किया तथा अपने मित्रों के साथ चाय की चुस्की ली और लंच किया। उदघाटन के अवसर पर अधिष्ठाता, संसाधन एवं पूर्व–छात्र तथा एलम्नाइ एसोसिएशन के सचिव ने सभी का स्वागत किया। प्रो. इन्द्रनील मान्ना एवं प्रो. सुधीर मिश्रा ने दीप प्रज्ज्वलित करके समारोह की उदघाटन किया। इस अवसर पर बैच समन्वयक श्री अशोक भंडारी भी उपस्थित रहे। लगभग 43 पूर्व–छात्रों (कुल 69 व्यक्ति) ने अपने परिवार के सदस्यों के साथ इस समारोह में भाग लिया ।

3. विशिष्ट पूर्व–छात्र पुरस्कार

वर्ष 2015 के विजेताओं को सम्मानित करने के उद्देश्य से दिनांक 2 नवम्बर, 2015 को संस्थान के आउटरीच ऑडीटोरियम में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। सम्मान पाने वाले पूर्व–छात्रों का विवरण निम्नलिखित है–

श्री यदुपति सिंघानिया (बीटी/सीई/77) को व्हाइट सीमेंट इंडस्ट्री के क्षेत्र में आमूल परिवर्तन करने तथा उत्कृष्ट व्यवसायिक कुशलता के लिए विशिष्ट पूर्व–छात्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

श्री धीरज पांडे (बीटी/सीएसई/97) को उत्कृष्ट व्यावसायिक कुशलता तथा स्टोरेज, कम्प्यूटेशन एवं वर्चुअलाइजेशन सहित इनविजिबल कम्प्यूटिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में दुनिया के प्रतिष्ठित उद्यम के संचालन के लिए विशिष्ट पूर्व–छात्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया। आप समारोह में उपस्थित नहीं हो पाए।

श्री सुधीर प्रसाद (बीटी/एमटी/79) को लोक सेवा के क्षेत्र में कुशल प्रबंधन के लिए विशिष्ट पूर्व–छात्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

श्री टी वेंकटेशन (एमएससी–2वर्ष/फिजिक्स/71) को भौतिक विज्ञान एवं पदार्थ विज्ञान में विशेष योगदान के लिए विशिष्ट पूर्व–छात्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया। आप समारोह में उपस्थित नहीं हो पाए।

प्रो. शिराज मिनवाला (एमएससी–एकीकृत/फिजिक्स/95) को सैद्धान्तिक भौतिक विज्ञान में विशेष योगदान के लिए विशिष्ट पूर्व–छात्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्रो. वीना सहजवाला (बीटी/एमई/86) को मटेरिएल प्रोसैसिंग के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए विशिष्ट पूर्व–छात्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया। आप समारोह में उपस्थित नहीं हो पाए।

श्री कुलदीप नारायण (बीटी/एमइ/2000/भाप्रौसंका) को लोक सेवा में सत्यनिष्ठा एवं पारदर्शिता बनाए रखने का प्रयास करने तथा मानवीय मूल्यों का अनुरक्षण में अनुकरणीय सेवाएं प्रदान करने के लिए सत्येन्द्र कुमार दुबे स्मृति पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

4. 2015 की क्लास के लिए लाइफ मेम्बरशिप ड्राइव

एलम्नाइ एसोसिएशन ने इस वर्ष 1200 से अधिक नये सदस्यों को जोड़कर अपने डाटाबेस में विस्तार किया है। एलम्नाइ एसोसिएशन ने ई–मेल तथा पोस्टरों के माध्यम से स्नातक बैच के छात्रों के साथ संपर्क स्थापित किया है और उन्हें आजीवन सदस्य बनने की प्रक्रिया से अवगत कराया है तथा एलम्नाइ एसोसिएशन के आजीवन सदस्य बने रहने के लाभ बतायें हैं। एलम्नाइ एसोसिएशन ने नये सदस्यों को स्मृति चिन्ह के रूप में बैग, कॉफी मग, विभागीय ग्रुप फोटो आदि भेंट किये हैं।

इसके अलावा एलम्नाइ एसोसिएशन वेबसाइट के माध्यम से पंजीकरण हेतु छात्रों से यथासमय अनुरोध भी करते रहता है। एलम्नाइ एसोसिएशन पंजीकृत छात्रों को वेब पोर्टल के लिए यूजर–आईडी, पासवर्ड उपलब्ध कराता है।

डेटाबेस में जोड़े गये अतिरिक्त आँकड़े निम्नानुसार हैं

क्र. सं.	पुनर्मिलन समारोह	लाइफ मेम्बरशिप
1	गोल्डन जुबली पुनर्मिलन समारोह – 1965 बैच – 27 से 29 नवम्बर, 2015	28
2	सिल्वर जुबली पुनर्मिलन समारोह – 1991 क्लास – 25 से 28 दिसम्बर, 2015	73
3	35 वें वर्ष का पुनर्मिलन समारोह – 1981 क्लास – 30 से 31 दिसम्बर, 2015 एवं 1 जनवरी, 2016	9
4	40 वें वर्ष का पुनर्मिलन समारोह – 1976 क्लास – 11 से 13 मार्च, 2016	7

क्र. सं.	भा.प्रौ.सं.कानपुर से स्नातक छात्र	
1	47वाँ दीक्षान्त समारोह, 27 फरवरी, 2015	474
2	48वाँ दीक्षान्त समारोह, 07 जून, 2015	877

5. पूर्व–छात्रों को दी जाने वाली सुविधाएं

एलम्नाइ एसोसिएशन संस्थान के सहयोग से पूर्व–छात्रों को संस्थान में भ्रमण करने के लिए व्हीकल पास उपलब्ध कराता है। पूर्व–छात्रों के संस्थान पहुँचने पर एलम्नाइ एसोसिएशन अतिथि गृह में उनके ठहरने की व्यवस्था करता है।

6. एलम्नाइ एसोसिएशन के चैप्टर से संबंधित गतिविधियाँ

चौप्टरों के आयोजनों से पूर्व–छात्रों को अपने सह–पाठियों से जुड़ने, नेटवर्क बढ़ाने तथा उनसे प्रेरणा लेने का अवसर मिलता है। यह हर्ष का विषय है कि संस्थान के पूर्व–छात्र अनेकानेक सामाजिक कार्यों में संलग्न हैं और उन्हें इनसे जुड़ने पर संतोष मिलता है। चौप्टरों में मंनोरंजनात्मक कार्यक्रमों का पूर्व–छात्र आनंद उठाते हैं। इस सत्र के दौरान निम्नलिखित चौप्टरों का आयोजन किया गया:

(i) आऊटर दिल्ली चैप्टर

आऊटर दिल्ली चौप्टर के अंतर्गत दिनांक 13 मार्च, 2015 को नोएडा मैनेजमेंट एसोसिएशन, इंस्टीट्यूशनल एरिया, सेक्टर 62, नोएडा में होली पर चाट पार्टी का आयोजन किया गया। इस पार्टी पूर्व–छात्रों के लिए परिचय सत्र, खेल–कूद तथा भोजन का प्रबंध किया गया। इस अवसर पर लगभग 150 सदस्य उपस्थित हुए।

(ii) बेंगलोर चैप्टर : स्टार्ट –अप मास्टर क्लास

एलम्नाइ एसोसिएशन द्वारा बेंगलोर चेप्टर का आयोजन किया गया। पिछले वर्ष से इस चेप्टर के अंतर्गत स्टार्ट–अप मास्टर क्लास इवेन्ट का आयोजन किया जा रहा है। यह तीसरा इवेन्ट था जिसे 27 फरवरी, 2016 को मैरिएट व्हाइटफील्ड्स, बेंगलोर में आयोजित किया गया था। इस इवेन्ट में कुल मिलाकर 800 लोगों ने हिस्सा लिया जिसमें पूर्व–छात्रों की संख्या 300 थी।

7. सुर्खियों में रहने वाले पूर्व–छात्र

- डॉ पी उदय भास्कर (पीएचडी/सीई/95) को दिनांक 27.11.2015 से छह वर्ष की अवधि के लिए आन्ध्र प्रदेश लोक सेवा आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।
- श्री अनिल जैन (बीटी/ईई/69) को नेशनल एकेडमी ऑफ इंजीनियरिंग के लिए चुना गया है। आप फिंगर प्रिंट के विशेषज्ञ हैं।
- श्री सौरभ श्रीवास्तव (बीटी/ईई/63) को व्यापार एवं उद्योग जगत में उत्कृष्ट कार्यों के लिए भारत सरकार के उच्च नागरिक पुरस्कार पद्मश्री से सम्मानित किया गया है।
- प्रो. महान मित्रा (एमएससी/मेथ्स/92) को गणितीय विज्ञान के लिए राष्ट्रपति के कर कमलों से इन्फोसिस साइन्स फाऊन्डेशन पुरस्कार प्राप्त हुआ है।
- श्री वसन्त शिवराम जोशी (बीटी/एमएमई/79), वरिष्ठ पदार्थ वैज्ञानिक को 12 जून, 2015 को पेंटागन में आयोजित समारोह में शीर्षस्थ वैज्ञानिक एवं इंजीनियरों को दिया जाने वाले डॉ डी एम एटर पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।
- श्री धरम वीर (एमएससी2/फिजिक्स/71) को सोसाइटी फॉर प्रमोशन ऑफ साइन्स एंड टेक्नालॉजी इन इंडिया का अध्यक्ष बनाया गया है।
- श्री रंजीत साहनी (बीटी/एमई/70) को दिनांक 20 अक्टूबर, 2015 को महाराष्ट्र में आयोजित 50वें ओपीपीआई जुबली समारोह में महाराष्ट्र के राज्यपाल के हाथों प्रेसीडेंट अमेरिट्स सम्मान प्रदान किया गया है।

8. पैन आईआईटी ग्लोबल कान्फ्रेन्स, सांता क्लारा, 24 एवं 25 जुलाई, 2015

दो दिवसीय सम्मेलन में प्रेरक विचारों का आदान–प्रदान, गंभीर विषयों पर वार्ता एवं विचारोन्मुखी पेनलों का आयोजन किया गया। जॉन चौम्बर, सैल खान, एलीजाबेथ होम्स तथा पूर्व–छात्र विनोद खोसला एवं भारत देसाई की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। सम्मेलन के समापन के अवसर पर विश्व स्तरीय मनोरंजनात्मक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

9. सेव सौभम फंड

संस्थान के पूर्व–छात्र श्री सौभम (बीटी/सीइ/2007) अस्थमा के कारण गंभीर रूप से बीमार हो गये थे। कुछ पल के लिए उनके मस्तिष्क में ऑक्सीजन का पहुँचना बंद हो गया था। जब उन्हें एंबुलेंस से अपोलो अस्पताल ले जाया जा रहा था तब उन्हें हृदयाघात हुआ। जब तक अस्पताल पहुँचते तब तक उनकी पल्स पूरी तरह काम करना बंद कर चुकी थी और वे बेहोश हो चुके थे। यद्यपि डॉक्टरों ने कड़ी मशक्कत के बाद श्री सौवमंभ को होश में तो ला लिया किन्तु वे हाइपोक्सिया का शिकार हो गए। इसके बाद श्री सौभम कोमा में चले गए। एलम्नाइ एसोसिएशन ने श्री सौभम के इलाज के लिए पूर्वछात्रों की सहायता से 12 लाख रु. जमा किए हैं।

10. गूगल मेल एकाऊन्ट

एलम्नाइ एसोसिएशन ने ऑनलाइन एलम्नाइ ई–मेल सुविधा का उन्नयन किया है और अपने स्थायी सदस्यों को एक स्थाई ई–मेल आईडी username@iitkalumni-org उपलब्ध कराया है।

दुनिया भर में एलम्नाइ नेटवर्क बढ़ाने के उद्देश्य से एलम्नाइ एसोसिएशन ने अपने सदस्यों को नई ई–मेल आईडी उपलब्ध कराई है। यह आईडी जीमेल की तरह है। वर्तमान में गूगल एकाऊन्ट के यूजर की संख्या 19,500 से अधिक है जिसमें लगभग 99: सक्रिय यूजर हैं। एलम्नाइ एसोसिएशन ने गूगल के साथ एक समझौता किया है ताकि username/iitkalumni-org की पहचान एक वैध जीमेल एडरैस के रूप में की जा सके। गूगल न केवल ई–मेल आईडी उपलब्ध कराएगा बल्कि मुफ्त में अन्य से सेवाएँ भी उपलब्ध कराएगा। इन सुविधाओं में ड्राइव, मोबाइल, टाल्क/हैंगआउट्स, 2–स्टेप वेरीफिकेशन तथा गूगल़ जैसी सुविधाएं शामिल रहेंगी।

11. वाइसेस

एलम्नाइ एसोसिएशन अपने नवीनतम ई–मैगजीन, वाइसेस एवं न्यूजलैटर को पाठक के लिए प्रस्तुत करते हुए खुशी महसूस कर रहा है। आप इन्हें एलम्नाइ एसोसिएशन की वेबसाइट पर निम्नलिखित लिंक पर देख सकते हैं–

http://www-iitkalumni-org/News_letter_File_/Newsletter_2014_III/index-html rFkk
http://www-iitkalumni-org/EMagazine/8pdf_letter_File_/Newsletter_2014_III/index-html

केन्द्रीय सुविधाएँ
पी.के. केलकर पुस्तकालय

पी के केलकर पुस्तकालय के लिए गत वर्ष बहुत ही परिवर्तनशील रहा है । ढाँचागत परिवर्तन के साथ–साथ प्रशासकीय दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण बदलाव किये गये । ये सभी परिवर्तन पिछले काफी दिनों से लंबित चल रहे थे । पी के केलकर पुस्तकालय के अन्दर सभी स्थलों पर गीष्मकाल के दौरान आंशिक रूप से प्रवेश की अनुमति प्रदान की गई क्योंकि इस दौरान सभी तलों के प्रसाधनों एवं टाप फ्लोर की क्षतिग्रस्त छत के रखरखाव का कार्य सम्पन्न किया गया । पुस्तकालय के तहखाने में एक विशिष्ट काम्पेक्टर लगाया गया जिसके अन्दर ऐसी पुस्तकों को स्थानांतरित किया गया है जो यदा–कदा जारी की जाती हैं या फिर इनका बहुत कम प्रयोग किया जाता है । समस्त प्रकाश व्यवस्था को एलईडी बल्ब लगा कर आनुधिक बना दिया गया है । मोशन सेन्सर एवं डिह्यूमिडिफायर्स भी लगा दिये गये हैं । शीघ्र ही संपूर्ण पुस्तकालय इस सुविधा से लैस कर दिया जाएगा । पी के केलकर पुस्तकालय ने वर्ष 2015 के दौरान सभी पत्र–पत्रिकाएं आनलाइन ही खरीदी बर्शेते ये सभी पत्र–पत्रिकाएं डिजिटल फार्म में उपलब्ध रही हो । इस सुविधा से पत्र पत्रिकाओं के भण्डारण, रखरखाव एवं उनकी बाइडिंग के कार्य का भार कम हुआ है जिसके फलस्वरूप निकट भविष्य में जगह का अभाव भी कम होगा । ऐकडमिक सीनेट द्वारा अनुमोदित विजन पत्र लागू किये जाने के अंतिम चरण में है । इस विजन पत्र के लागू होने से पी के केलकर पुस्तकालय एक प्रभावी एवं आधुनिक ज्ञान के केन्द्र के रूप में विकसित हो जाएगा।

पी के केलकर पुस्तकालय संस्थान के अभिलेखागार इकाई के प्रचालन का कार्य भी देखता है। पी के केलकर पुस्तकालय को तीन खंडों में विभाजित किया गया है । प्रत्येक खंड के प्रभारी एक सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष हैं । पुस्तक प्रकिया यूनिट, परिचालन एवं रखरखाव यूनिट एवं ऑनलाइन रिसोर्स एण्ड सर्विस यूनिट सभी नव–निर्मित इकाईयाँ हैं । ये सभी इकाईयाँ पुस्तकालय सेवा के प्रति उत्तरदायी हैं । पूर्व में इन सभी इकाईयों को व्यक्ति विशेष द्वारा संचालित किया जाता था । पुस्तकालय के अन्दर किये गये इस फेरबदल ने अब इसके कर्मचारियों एवं अधिकारियों को और अधिक उत्तरदायी बना दिया है। इस अवधि के दौरान एक सहायक पुस्तकाल्याक्षय तथा एक वरिष्ठ पुस्तकालय सूचना सहायक की भर्ती की गई है ।

पुस्तकालय के अन्दर स्थित विभिन्न इकाईयों द्वारा निष्पादित किये गये कार्यों का विवरण नीचे दिया जा रहा है।

परिचालन एवं रख–रखाव इकाई

पुस्तकालय में उपलब्ध समस्त पुस्तकों एवं अन्य वस्तुओं का काफी समय से लंबित चल रहे फिजिकल स्टॉक वेरिफिकेशन का कार्य जून 2015 से प्रारंभ होकर सितम्बर 2015 में सम्पन्न हुआ। पिछली बार फिजिकल स्टॉक वेरिफिकेशन का कार्य वर्ष 1990 मे सम्पन्न हुआ था । इसके पश्चात उपलब्ध दस्तावेजों के आधार पर प्रति वर्ष आकस्मिक रूप से फिजिकल स्टाक वेरिफिकेशन का कार्य होता रहा है तथा इस प्रक्रिया के फलस्वरूप कई अनुपयोगी एवं फटी हुई (लगभग 2800) पुस्तकों को राइट आफ करने के लिए पुस्तकालय के रिकार्ड्स से अलग किया गया। इन पुस्तकों का अभी तक कुछ भी पता नहीं चला है। गायब हुई पुस्तकों के कारण पी के केलकर पुस्तकालय को हुए वास्तविक नुकसान का पता लगाने के लिए इस वर्ष भी फिजिकल स्टाक वेरिफिकेशन का कार्य सम्पन्न कराया गया ।

सीनेट लाइब्रेरी कमेटी ने कुछ पत्र एवं पत्रिकाओं की छटनी करने हेतु अपना अनुमोदन प्रदान कर दिया है। हटाई गई अपयुक्त सामग्री की सूची अधो लिखित यूआरएल पर दर्शायी गई है।
http://172.28.64.14/intranet/abstracts_weedout.pdf

सीनेट लाइब्रेरी कमेटी ने कुछ पत्र एवं पत्रिकाओं की छटनी करने हेतु अपना अनुमोदन प्रदान कर दिया है। हटाई गई अपयुक्त सामग्री की सूची अधो लिखित यूआरएल पर दर्शायी गई है। इन पत्र पत्रिकाओं की छटाई से पुस्कालय में बहुत सी जगह एवं रैक खाली हो जाएगें । कैंपस स्कूल तथा अन्य विभागों को कई रैक उपहार के रूप में प्रदान की गई हैं। बाकी रैक को उचित प्रक्रिया का पालन करते हुए डिस्पोज्ड ऑफ कर दिया गया है । इस दौरान पुस्तकालय द्वारा इस प्रक्रिया का पालन करते हुए कुछ डुप्लीकेट पत्र–पत्रिकाओं एवं रिपोर्टस की भी छटाई कर दी गई है । पुस्तकालय ने इस वर्ष रद्दी की बिक्री से 60000 हजार रूपये अर्जित किये हैं।

सर्कुलेशन से संबंधित डेटा नीचे दिया जा रहा हैः पुस्तकों के चौकआटउ की संख्या 39170, पुस्तकों के चौकइन की संख्या 39701 (217 ट्रांजेक्शन प्रतिदिन) इस अवधि के दौरान कुल 78871ट्रांजेक्शन हुए । इसके अतिरिक्त 37537 उपभोक्ताओं द्वारा पुस्तकों का नवीनीकरण भी कराया गया । इस दौरान कुल 09 पुस्तकों के खोये जाने की सूचना है जिनके नुकसान की भरपाई के लिए संबंधित उपभोक्ताओं से 31,411.00 रूपये वसूले गये ।

बुक प्रोसेसिंग यूनिट

इस अवधि के दौरान पुस्तकालय द्वारा 979 पुस्तकों की खरीद की गई जिनकी कुल लागत 63,08,716 रूपये थी । इस वर्ष खरीदी गई पुस्तकों की संख्या गतवर्ष खरीदी गई पुस्तकों की संख्या से कम है। हम संकाय सदस्यों की इस बात के लिए प्रशंसा करते हैं तथा उन्हें धन्यवाद देते हैं कि कि उन्होंने केवल उन्हीं पुस्तकों को खरीदने की सिफारिश की है जिनका बृहद स्तर प्रयोग किया जा रहा है ।

पुस्तकालय द्वारा दान के रूप में 129 पुस्तकें तथा 11 वार्षिक प्रतिवेदन प्राप्त हुए हैं । हमने ऐसे दान–दाताओं एवं लेखकों को प्रशंसा पत्र एवं धन्यवाद पत्र भेजे हैं जिन्होंने हमें मानार्थ प्रतियाँ भेजी हैं ।

विभिन्न विभागों द्वारा खरीदी गई पुस्तकों की सूची इस प्रकार से है।